पशुधन संरक्षण

वर्ष : 2 ● अंक 9 ● जनवरी-2022

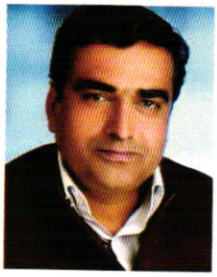

वर्चुअली आयोजित राज्य स्तरीय पशुपालक सम्मान समारोह में 405 पशुपालकों का किया गया सम्मान

प्रगतिशील पशुपालकों को सम्मानित किये जाने के लिये राज्य स्तरीय पशुपालक सम्मान समारोह कोरोना संक्रमण काल के चलते वर्चुअल माध्यम से 12 जनवरी, 2022 को जयपुर स्थित शासन सचिवालय, के कॉफ्रेन्स हॉल में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्री लालचन्द कटारिया, शासन सचिव, पशुपालन विभाग डा. आरुषी मलिक शासन सचिवालय, के कॉन्फ्रेन्स हॉल से, श्री गोविन्द सिंह डोटासरा सी.एम.आर. तथा समस्त जिला मुख्यालयों से जिला कलक्टर एवं सम्मानित होने वाले स्थानीय पशुपालक वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

पशुपालन विभाग के मंत्री श्री लालचन्द कटारिया ने बताया कि इस कार्यक्रम में राज्य के 405 प्रगतिशील पशुपालकों को सम्मानित किया गया है। राज्य स्तर पर सम्मानित होने वाले 2 पशुपालकों को पचास-पचास हजार रूपये जिला स्तर पर सम्मानित होने वाली सात महिला पशुपालकों सहित 68 पशुपालकों को पच्चीस-पच्चीस हजार रुपये तथा पंचायत समिति स्तर पर सम्मानित होने वाली 32 महिला पशुपालकों सहित 335 पशुपालकों को दस-दस हजार रुपये की राशि प्रोत्साहन स्वरुप प्रदान की गयी है।

राज्य स्तर पर बीकानेर जिले के सुरेन्द्र कुमार एवं सीकर जिले के पशुपालक सुभाष चन्द को शासन सचिवालय के कान्फ्रेन्स हॉल में पशुपालन मंत्री श्री लालचन्द कटारिया द्वारा प्रशस्ति पत्र तथा 50-50 हजार रूपये की राशि पारितोषिक स्वरूप प्रदान कर सम्मानित किया गया है। जिला स्तर पर संभागीय आयुक्त एवं कलेक्टर ने पशुपालकों को सम्मानित किया। राज्य स्तरीय पशुपालक सम्मान समारोह में प्रदेश के 405 पशुपालकों को 51.50 लाख रुपये की राशि प्रदान की गई।

कृषि एवं पशुपालन मंत्री श्री लालचंद कटारिया ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में पशुधन के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। जमीन जोत कर सभी का पेट पालने वाले किसानों के हित में भी कई फैसले पिछले तीन साल में लिए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत की मंशानुरूप पशुपालकों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य स्तरीय पशुपालक सम्मान योजना के रूप में नवाचार किया गया है। अगले वित्तीय वर्ष से किसानों के लिए अलग से बजट प्रस्तुत किया जाएगा।

श्री कटारिया बुधवार को राज्य स्तरीय पशुपालक सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि, पशुपालन एवं डेयरी तीनों विभाग प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत दुग्ध संकलन पर 2 रुपए प्रति लीटर की दर से अनुदान दिया जा रहा है।